VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (2217)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
*Time Allowed: **Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0089080

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : गौरव कुमार त्रिपाठी

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
हिन्दी

तारीख
Date
27/अगस्त/2022

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)
GENERAL STUDIES (Paper I)

केंद्र
Centre गोरखपुर
Academy of Computer
Betihata, Gorakhpur

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner, such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप में कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1			11		
2			12		
3			13		
4			14		
5			15		
6			16		
7			17		
8			18		
9			19		
10			20		
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (2217)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time Allowed: Three Hours	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

कुल बीस प्रश्न दिए गए हैं जो हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Answers to Questions No. 1 to 10 should be in 150 words, whereas answers to Questions No. 11 to 20 should be in 250 words.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

VISION IAS

All the Best

1. उदाहरणों के साथ, चर्चा कीजिए कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक परंपराएं क्षेत्रीय संगीत में किस प्रकार प्रतिबिंबित होती हैं। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
With examples, discuss how the cultural traditions from various regions of India get reflected in regional music. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सांस्कृतिक परंपराओं ने संस्कृति के विभिन्न अवयवों यथा रहन-सहन, खान-पान आदि के साथ मनोरंजक गतिविधियों यथा नृत्य एवं पेंटिंग के

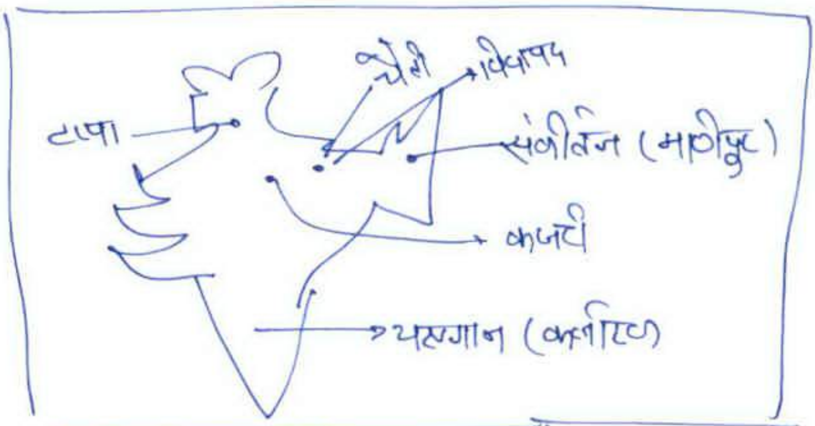

क्षेत्रीय संगीत

साथ क्षेत्रीय संगीत पर भी प्रभाव डाला है।

① फसल कटना एवं बुवाई के मौसम में चैती, कजरी आदि किसानों में उल्लास एवं एकजुटता को बढ़ावा देती है।

② उत्तर भारत में उत्सवों एवं संस्कारों के अवसर पर गाये जाने

वाले सोहर आदि गीत जबकि प्रवासन के कारण परिवार से विछड़ाव के कारण प्रतिबिंबित बिरहा गीत।

(3) भक्ति आंदोलन के दौरान उत्तरपूर्वी भारत में संकीर्तन आदि का चलन स्थानीय परंपराओं (पुंग, करताल वादन) के अनुरूप था।

(4) रेगिस्तान में ऊंट सवारों द्वारा गाया जाने वाला टप्पा गीत उनकी परंपराओं को दर्शाता है।

(5) कर्नाटक का यक्षगान आदि स्थानीय परंपराओं यथा कंबाला, जलीकट्टू, ओणम, आदि पर्व आदि के समानांतर होता है।

इस प्रकार क्षेत्रीय संगीत स्थानीय परंपराओं का दर्शन कराते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. श्रमिक वर्ग के आंदोलन के उद्भव पर प्रकाश डालते हुए, भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में उसके योगदान की विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Highlighting the emergence of the working class movement, discuss its contribution towards India's freedom struggle. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

19 वीं सदी के उत्तरार्ध में भारत में औद्योगिकरण के साथ श्रमिक सुधारों हेतु श्रमिक आंदोलन भी प्रारंभ हुआ

उद्भव — प्रारंभ में 1871, 1881 का औद्योगिक अधिनियम
⇓
NMG लोखंडे द्वारा 'बॉम्बे मिल हैंड्स आसोसिएशन
⇓
श्रमजीवी, दीनबंधु आदि पत्रिकाओं के माध्यम से श्रमिकों की समस्याओं को सामने रखा गया।
⇓
देश के विभिन्न भागों (कोलकाता, मद्रास, मुंबई आदि में श्रमिक संघ बने)

स्वतंत्रता संघर्ष में योगदान :

① सामाजिक आधार में वृद्धि : उदा -

स्वदेशी एवं असहयोग आंदोलन में श्रमिकों द्वारा हड़तालों का समर्थन।
② आंदोलनों की मांगों में वंचित वर्गों के मुद्दे भी शामिल उदा० - गांधी जी ने स्वयं अहमदाबाद मिल एसोशिएशन हड़ताल में भाग लिया।
③ आंदोलन में नयी विचार धारा : AITUC, भारतीय श्रमिक संघ आदि ने समाजवादी मूल्यों तथा समतावादी समाज की स्थापना की मांग रखी।
④ कांग्रेस के साथ सहयोग : गोलमेज सम्मेलनों में देखने को मिला।
हालांकि श्रमिक संघों में कम्युनिस्टों का आगमन तथा 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान आंदोलन की मुख्यधारा से भटकाव देखा गया। परंतु पुनः रायल नेवी विद्रोह आदि के समर्थन के साथ स्वतंत्रता प्राप्ति में इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

www.visionias.in
उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि गांधीवादी राजनीति एक प्रकार से तिलक की राजनीति का ही विस्तार थी? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Do you agree with the view that Gandhian politics was, in a sense, a continuation of Tilak's politics? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लोकमान्य तिलक गांधीवादी आंदोलनों से पूर्व उग्रवादी दल के प्रमुख नेता थे। गांधीवादी राजनीति पर उनका प्रभाव :

① स्वदेशी का मुद्दा : तिलक स्वदेशी आंदोलन, होमरूल आदि में स्वशासन की माँग कर चुके थे जो गांधीवादी असहयोग, सविनय अवज्ञा की भी प्रमुख मांग थी।

② स्वतंत्रता से पहले स्वराज - जैसेकि लोक आत्मानुशासन, राष्ट्रीय एकता तथा राष्ट्रभाषा हिन्दी की आवश्यकता गांधी जी एवं तिलक दोनों द्वारा उठाई गयी। → प्रांतीय समितियों का गठन 1919 में क्षेत्रीय आधार पर किया गया।

③ बहिष्कार एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का

प्रारंभिक चरण स्वदेशी आंदोलन में दिख चुका था, जिसे गांधी जी ने असहयोग सविनय अवज्ञा में विस्तारित किया।

(4) प्रभावी संगठन का महत्व होमरूल में तिलक पहले ही समझ चुके थे। गांधी जी ने संघर्ष-विराम-संघर्ष में विराम के चरण में संगठन को बढ़ावा दिया।

कुछ मुद्दों पर तिलक एवं गांधी की विचारधारा (हिन्दू जाति आदि) में अंतरों के बावजूद गांधी जी से पूर्व तिलक लोकमान्य नेता थे। तथा उनकी मृत्यु के बाद नेतृत्व पूर्ति गांधी जी द्वारा उनके रास्ते को ही विस्तारित करके किया गया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. ऐसा कहा जाता है कि मानव प्रेरित तापन के कारण विश्व के महासागर अपनी 'मेमोरी' खो रहे हैं। टिप्पणी कीजिए। साथ ही, इस परिघटना के परिणामों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
It is said that the world's oceans are losing their 'memory' due to human-induced warming. Comment. Also, discuss the consequences of the phenomenon. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

IPCC के 6वीं आकलन रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापन का 90% तक महासागर सोखते हैं। जिससे वे अपनी मेमोरी खो रहे हैं।

तापन जन्य प्रभाव :

(1) महासागरीय अम्लीकरण : गर्मी आक्सीजन विलयन क्षमता कम करती है।

(2) जल प्रसार एवं स्तर में वृद्धि

(3) गहन महासागरीय परिसंचरण का धीमा होना - उदा० AMOC का धीमापन

(4) डेड जोन का बढ़ना आदि

इस परिघटना के परिणाम :

(1) समुद्र तापमान वृद्धि → चक्रवातों के निर्माण में वृद्धि - उदा० - अरब सागर में 60% चक्रवात वृद्धि।

(2) समुद्र स्तर वृद्धि → विस्थापन तथा तटों का डूबना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

(2) प्रवाल विरंजन - 75% वैश्विक प्रवाल संकटग्रस्त।

(3) आर्कटिक एम्प्लीफिकेशन : जिससे न केवल मीथेन उत्सर्जन बल्कि समुद्री धाराओं पर भी नकारात्मक प्रभाव।

(4) अल-नीनो ला नीना का दुष्चक्र : बाढ़, सूखा आदि का चक्र महाद्वीपों पर

अतः महासागरीय तापन को शीघ्र नियंत्रित करने हेतु पेरिस एवं ग्लासगो सम्मेलन में वर्णित लक्ष्यों को प्राप्त किया जाना अनिवार्य है।

5. मृदा संशोधन क्या है? इससे संबद्ध लाभों और चिंताओं का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What is soil amendment? Evaluate the benefits and concerns associated with it. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मृदा संशोधन मृदा में जैविक, भौतिकी अथवा यांत्रिक परिवर्तन को संबोधित करता है।

संशोधन — वातन द्वारा
- (2) प्लास्टिक से छेदकर उथ्या उत्पन्न करके
- (3) जीवाणुओं का प्रयोग

लाभ — (1) मृदा उत्पादकता में वृद्धि
- (2) मृदा कार्बन का संरक्षण
- (3) कीटनाशक एवं उर्वरकों के प्रयोग में कमी
- (4) मृदा क्षरण में कमी एवं प्रदूषण पर रोक

चिंताऐं — (1) प्राकृतिक जीवों एवं समुदायों का क्षरण।
- (2) मृदा-कार्बन संतुलन भंग हो सकता है। जिससे अधिक कार्बन उत्सर्जन संभव

(3) अवैज्ञानिक प्रयोग उत्पादकता को नुकसान कर सकता है

(4) लागत एवं प्रसार संबंधी मुद्दे

इस संदर्भ में

मृदा स्वास्थ्य आदि एवं पोषक तत्वों को जागरूकता प्रसार अनिवार्य है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. यह सुझाव दिया गया है कि अगले दशक में हाइब्रिड विद्युत संयंत्रों की संख्या में तीव्र वृद्धि हो सकती है। ऐसे विद्युत संयंत्रों से प्राप्त होने वाले लाभों का उल्लेख करते हुए, उनसे जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

It has been suggested that the next decade may see a boom in hybrid power plants. Stating the advantages that such power plants offer, discuss the associated challenges. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही में I_2U_2 सम्मेलन में अमेरिका द्वारा गुजरात में 300 MW का (सौर + वायु ऊर्जा) हाइब्रिड संयंत्र लगाने की घोषणा की गयी।

हाइब्रिड संयंत्र → नवीकरणीय ऊर्जा के एक से अधिक स्रोतों (उदा-जल, वायु, सौर, बायोगैस आदि) को मूल रूप में प्रयोग करना।

लाभ : ① प्रदूषण में कमी — कोयला संयंत्रों की अपेक्षा

② आपूर्ति स्थिरता तथा ग्रिड स्थायित्व संभव। (सौर ऊर्जा पूरे दिन नहीं उपलब्ध, जबकि उस दौरान वायु ऊर्जा का प्रयोग)

③ भौतिक स्टोरेज संभव (उदा - सौर ऊर्जा के द्वारा जल ऊंचाई पर स्थानांतरण पुनः उससे ऊर्जा निर्माण)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) उत्पादन लागत में कमी

(5) पेरिस लक्ष्यों की प्राप्ति → निम्न कार्बन फुट प्रिंट।

<u>चुनौतियाँ</u> : (1) संयंत्रों के स्थापना की <u>तकनीकी</u> बाधायें।

(2) <u>विकसित देशों</u> द्वारा <u>तकनीक हस्तांतरण</u> में देरी एवं सहयोग का अभाव।

(3) <u>संयंत्रों की लागत</u> तथा गेस्टेशन अवधि बढ़ जायेगी।

(4) ई-अपशिष्ट में वृद्धि।

(5) भारत हेतु → आत्मनिर्भरता नहीं (सोलर सेलों के आयात पर निर्भर)
→ आपूर्ति- <u>उतार-चढ़ाव</u>

इन चुनौतियों के समाधान हेतु <u>ग्रीन ग्रिड</u> परियोजना में तेजी तथा <u>अनुसंधान एवं विकास</u> को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

7. वैन एलन रेडिएशन बेल्ट्स क्या हैं? इनके निर्माण का वर्णन करते हुए, चर्चा कीजिए कि इनके अध्ययन पर अधिकाधिक ध्यान क्यों दिया जा रहा है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are Van Allen Radiation Belts? Explaining their formation, discuss why there has been a growing focus on their study. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पृथ्वी की चुंबकीय क्षेत्र तथा सूर्य के सौर ज्वारों के संक्रमण क्षेत्र को वैन एलन रेडिएशन बेल्ट कहा जाता है

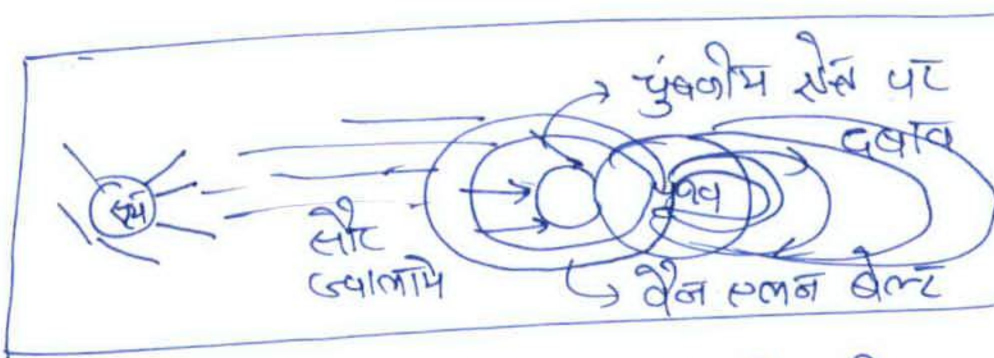

निर्माण - सौर धारायें चुंबकीय क्षेत्र (पृथ्वी के) से क्रिया करके उन्हें धकेलती है।
इससे एक संक्रमण क्षेत्र बनता है।
जो सामने की दिशा में दबा हुआ होता है।

अध्ययन पर ख्याल क्यों।

① सोलर सन स्पाट एवं सौर ज्वालों के पृथ्वी की जलवायु पर

प्रभाव को समझने हेतु

② अंतरिक्ष विकिरण को समझ -
कास्मिक किरणों तथा सैटेलाइट एवं ग्रिडों (पावर ग्रिड) की सुरक्षा हेतु आनिवार्य है।

③ जलवायु परिवर्तन एवं वायुमंडलीय संचरण पर प्रभाव हेतु।

④ भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों हेतु।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8. चर्चा कीजिए कि क्या भारत में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित कर दिया जाना चाहिए? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss whether marital rape should be criminalised in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही वैवाहिक जोड़ों के मध्य असहमति से बढ़ते यौन दुर्व्यवहारों के मामलों के कारण वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने की माँग उठी है।

पक्ष में तर्क :

(1) महिला सुरक्षा एवं समानता : अनुच्छेद 19 तथा 21 सहमति का अधिकार देता है।

(2) पितृसत्तात्मक समाज में महिलायें पुरुष के अधीन मानी जाती है।

(3) शोषण, शारीरिक एवं यौन हिंसा को व्यापक दायरा मिल सकेगा।

विपक्ष में तर्क (1) सरकार का मानना है यह भारतीय विवाह व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करेगा। (चूंकि विवाह भारत में एक संस्कार है।)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) घरेलू हिंसा के कानून पहले से मौजूद हैं सुरक्षा हेतु

(3) इसका दुरुपयोग हो सकता है - एक आंकड़े के अनुसार 53% घरेलू हिंसा के मामले जालसाजी थे।

(4) लिंग निरपेक्ष नहीं: बलात्कार केवल महिलाओं को शामिल करता है।

इस संबंध में जागरूकता एवं संवेदीकरण की वृद्धि के साथ-साथ वैवाहिक बलात्कार को मान्यता देना निश्चय ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में उचित कदम होगा।

www.visionias.in

9. केयर इकोनॉमी (देखभाल अर्थव्यवस्था) क्या है? इससे जुड़ी चुनौतियों पर प्रकाश डालिए और भारत में इन चुनौतियों से निपटने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What is care economy? Highlight the challenges associated with it and mention the steps taken to address them in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

केयर इकोनॉमी से तात्पर्य अर्थव्यवस्था को देखभाल की आवश्यकता वाले लोगों (बुजुर्ग एवं बच्चों) हेतु तत्पर बनाना है।

आवश्यकता — LASI सर्वे के अनुसार वर्तमान में 11 करोड़ बुजुर्गों की उपस्थिति 2050 तक 33 करोड़ होने की संभावना।

चुनौतियाँ : ① बुजुर्गों के स्वास्थ्य, मानसिक तनाव, अकेलेपन आदि से जुड़े उत्पादों एवं विशेषज्ञों का अभाव।

② सामाजिक सुरक्षा का अभाव : 80% वृद्ध रिटायरमेंट के बाद शून्य आय अर्जन करते हैं।

③ अत्यधिक लागत तथा अर्थव्यवस्था में उत्पादकता न्यून होने के कारण निवेश नहीं।

④ शहरीकरण, औद्योगीकरण आदि के कारण

प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन आदि प्रमुख बाधा है।

(5) परिवार एवं समाज के स्तर पर केयर इकोनॉमी की स्वीकार्यता बढ़ाना।

उठाए गये कदम:

(1) राष्ट्रीय वृद्ध-जन नीति

(2) 2021-22 का बजट 'केयर इकोनॉमी' पर केन्द्रित तथा SAGE पोर्टल का निर्माण वृद्धों हेतु स्टार्टअप बढ़ाने हेतु (उदा- शांतनु नायडू द्वारा रतन टाटा के सहयोग से)

(3) एक्सेसिबल इंडिया कैंपेन: सार्वजनिक स्थलों को दिव्यांगों एवं वृद्धों हेतु अनुकूल बनाने हेतु।

(4) राष्ट्रीय वयोश्री योजना - उपकरणों को प्रदान किया जाता है,

(5) वय वंदन योजना तथा वय सम्मान योजना।

इसके अलावा युवाओं एवं छात्रों को (सिंगापुर एवं नॉर्वे) की तर्ज पर पीढ़िगत अंतराल कम करने हेतु 'केयर इकोनॉमी' में भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. महामारी के बाद भारत "लर्निंग पॉवर्टी (अधिगम निर्धनता)" की चुनौती से जूझ रहा है। इसके निहितार्थों का विश्लेषण कीजिए और आगे की राह का सुझाव दीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Post-pandemic India is staring at the challenge of "learning poverty". Analyse its implications and discuss a way ahead. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विश्व बैंक के अनुसार अपने उम्र के सापेक्ष आवश्यक स्कूली शिक्षा (औपचारिक) न प्राप्त कर पाना लार्निंग पावर्टी है।

महामारी जनित लार्निंग पावर्टी
- स्कूल बंद
- ई-उपकरण सबके पास नहीं।
- छोटे घरों में पढ़ाई का माहौल एवं आवश्यकता नहीं।
- सरकार का ध्यान स्वास्थ्य एवं वैक्सीन उपलब्धता पर आधारित।

निहितार्थ
① जनसांख्यिकी लाभांश खतरे में।
② मानव संसाधन उपयुक्त नहीं — उदा० ASER रिपोर्ट के अनुसार कक्षा 5 के 2/3 छात्र कक्षा 2 की पुस्तकें पढ़ने में सक्षम नहीं।
③ भविष्यगत असमानता : विश्व बैंक के

अनुसार लर्निंग पावर्टी से प्रभावित बच्चों की आय सामान्य से 20-30% तक कम होगी।

(4) नशाखोरी, आत्महत्या आदि में वृद्धि।

(5) औपचारिक शिक्षा पुर्नप्रवेश में बाधा तथा कौशल एवं क्षमता का विकास नहीं।

आगे की राह : डिजिटल तकनीकों रेडियो | स्मार्टफोन्स | आदि को वहनीय बनाकर उपलब्ध करवाना।

(2) शिक्षकों एवं छात्रों की ट्रेनिंग एवं काउंसलिंग

(3) शिक्षा अवसंरचना में निवेश (GDP का 3% कम से कम)

(4) MOOCs एवं स्वयंप्रभा जैसे चैनल

(5) कालोनी एवं ग्राम पंचायत स्तर पर सामूहिक डिजिटल शिक्षा प्रारंभ करना आदि।

इस संदर्भ में 2020 की नयी शिक्षा नीति को प्रभावी तरीके से लागू करने की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. दक्षिण भारत में भित्ति परंपराओं के विकास पर प्रकाश डालिए। साथ ही, उनकी महत्वपूर्ण विशेषताओं का सविस्तार वर्णन कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Bring out the evolution of mural traditions in South India. Also, elaborate on their significant characteristics. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

दक्षिण भारत कला एवं संस्कृति के नजरिए से अत्यंत समृद्ध रहा है। इनमें दीवारों पर की जाने वाली भित्ति परंपराएँ भी अनोखी हैं।

विकास: (1) प्रारंभिक पाषाण काल की गुफाओं यथा कुपगल्लू, तिकलीहल आदि में भित्ति कलाएँ मिलती हैं। (लाल रंग की आकृतियाँ)

(2) प्राचीन काल में एलोरा तथा अन्य गुफाओं में स्पष्ट फ्रेस्को पेंटिंग विकसित हुयी।

(3) चोल, चेर, पांड्यों के शासन काल में मंदिरों एवं महलों में भित्तीकला का प्रारंभ हुआ।

(4) विजयनगर काल में यह चरमपर पहुँची तथा नायक आदि क्षेत्रीय परंपराएँ भी प्राप्त हुयीं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

महत्वपूर्ण विशेषताएँ :

(1) विषयवस्तु : स्थानीय नृत्य, त्यौहारों एवं सामाजिक उत्सवों के साथ-साथ दरबार एवं बाजार के दृश्यों का भी उत्कीर्णन किया गया।

(2) रंग एवं पदार्थ : प्राकृतिक तथा चमकीले रंगों का प्रयोग तथा विजयनगर काल में स्वर्ण तथा रत्नों आदि का भी प्रयोग किया गया।

(3) प्रारंभिक समय में ~~भित्ति~~ दीवारों पर चूना एवं गोबर की लेपाई तत्पश्चात उसमें रंग भरे जाते थे।

(4) महत्वपूर्ण विशेषता परिदृश्यों (बैकग्राउंड) का अंकन है।

इन भित्ति कलाओं का संरक्षण एवं संवर्धन आवश्यक है, जो न केवल देश की सांस्कृतिक विविधता बल्कि नवाचार का भी

प्रतिनिधित्व करती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. 19 वीं शताब्दी में ब्रिटिश साम्राज्यवाद का विरोध करने वाला भारतीय राष्ट्रवाद औपनिवेशिक आधुनिकता का ही एक परिणाम था। क्या आप इससे सहमत हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Indian nationalism that confronted British imperialism in the 19th century was a product of colonial modernity. Do you agree? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

19 वीं सदी में भारत पर औपनिवेशिक शासन सुदृढ़ करने हेतु मैकाले नीति के अनुसार शिक्षित भारतीयों का एक वर्ग तैयार किया गया। जो भारत में ब्रिटिश साम्राज्यवाद का विरोध करने में अग्रणी हुए।

① अंग्रेजी शिक्षा - स्वतंत्रता, समानता आदि के मूल्यों की कमी उन्हें भारत में दिखी।

② विदेश पढ़ने गये भारतीयों को भेदभाव महसूस हुआ तथा उन्होंने — ① शिक्षा के विस्तार
करों में कमी
सिविल सेवाओं का भारतीयकरण आदि की मांग रखी (उदा - राजा राम मोहन राय आदि)

③ भारतीयों को नवजागरण चेतना से युक्त करने हेतु विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं

का प्रारंभ किया गया (संवाद कौमुदी, सत्यार्थ प्रकाश आदि)

(4) आत्मावलोकन के साथ अतीत की समृद्धि की खोज की गयी - उदा० दयानंद सरस्वती, ईश्वर चंद विद्यासागर आदि ने मौर्य साम्राज्य, गुप्त साम्राज्य एवं वैदिक काल आदि की समृद्धि को स्थापित किया।

(5) सामाजिक सुधार - स्त्रीशिक्षा, सती प्रथा, विधवा पुनर्विवाह आदि के संदर्भ में जनचेतना की वृद्धि की गयी (उदा० - ईश्वर चंद विद्यासागर द्वारा वेदों के आधार पर विधवा पुनर्विवाह उचित ठहराया गया।)

(6) आर्थिक आलोचना - इन राष्ट्रवादियों ने धन बहिर्गमन की निंदा की - उदा० - दादा भाई नौरोजी, RC दत्त आदि द्वारा आलोचना।

(7) प्रारंभिक राजनीतिक संघों का गठन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एवं मांगे - अपन-ईस्ट इंडिया असोशिएशन आदि द्वारा इंग्लैंड में भी भारतीयों की स्थिति पर चर्चा की गयी।

(8) रेल, तार आदि आधुनिक संचार साधनों ने राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा दिया।

इस प्रकार औपनिवेशिक आधुनिकता का उद्देश्य भले ही ब्रिटिश शासन को सुदृढ़ करना था। लेकिन इसने अनजाने में भारतीय नेतृत्व को आधुनिक मूल्यों से परिचय कराया जिसकी प्रतिक्रिया एवं अनुक्रिया से प्रारंभिक राष्ट्रवाद का जन्म हुआ।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

13. स्वातंत्र्योत्तर भारत में पर्यावरणवाद कई संगठित आंदोलनों के रूप में सामने आया है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Environmentalism surfaced in the form of many organised movements in post independence India. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्यावरण भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। हालांकि औपनिवेशिक काल में शोषणकारी नीतियों के दौरान यह पीछे छूट गया। परंतु स्वतंत्रता पश्चात विभिन्न संगठित आंदोलन के रूप में सामने आया।

पर्यावरणवाद दृष्टिकोण - मनुष्य प्रकृति का अंग, अतः नियंत्रित हस्तक्षेप ही करे अन्यथा विनाश संभव।

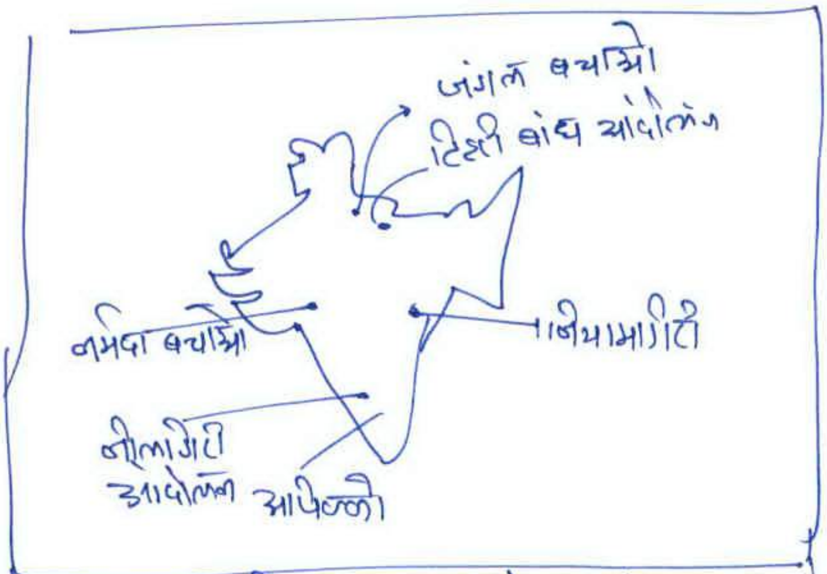

प्रमुख पर्यावरण आंदोलन।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

① उत्तराखंड में सुंदर बहुगुणा जोशी एवं स्थानीय महिलाओं के समूह द्वारा 'जंगल बचाओ' आंदोलन सफल रहा।
→ इसी का विस्तार संगठित रूप में कर्नाटक में अप्पिको तथा नीलगिरि आंदोलन में दिखा।

② अनियंत्रित विकास कार्यों के विरुद्ध आंदोलन.
→ नर्मदा बचाओ समिति द्वारा
→ नियामगिरी हिल्स पर ग्रामीण संगठनों द्वारा वेदांता खनन परियोजना रोकी गयी।

③ पर्यावरणीय विस्थापन एवं जलवायु परिवर्तन तथा प्रदूषण के विरुद्ध विभिन्न संगठित आंदोलन देखे गये।

पर्यावरणवाद के अन्य रूप।

① सिविल सोसाइटी समूह - उदा-राजेन्द्र सिंह द्वारा अरवारी जल संसद, राजस्थान
सिंह में अन्ना हजारे आदि।

② सरकार द्वारा - राष्ट्रीय वन नीति
- 1988 तथा पर्यावरण प्रभाव

आंदोलन, एवं तटीय विनियमन जोन बनाया जाना।

③ सुप्रीम कोर्ट द्वारा पर्यावरणीय शिक्षा अनिवार्य करना तथा निदेशक तत्वों एवं मूल कर्तव्यों में पर्यावरण सुरक्षा। (मेनका वाद में - स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार)

अतः स्पष्ट है, पर्यावरणवाद कई रूपों में दिखा है, तथा वर्तमान में यह अन्तर्राष्ट्रीय समझौतों (जैसे, जलवायु, किगाली आदि) के साथ संगठित आंदोलनों के रूप में भी स्पष्ट हो रहा है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

14. क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि आर्थिक साधनों के माध्यम से ब्रिटेन को पराजित करने के लिए नेपोलियन द्वारा अपनाई गयी महाद्वीपीय नाकाबंदी एक गलत रणनीति थी? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Do you agree with the view that continental blockade was an ill-conceived strategy by Napoleon to conquer Britain through economic means? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नेपोलियन की बढ़ती शक्ति के सामने ब्रिटेन ही सर्वाधिक ताकत से खड़ा था। ऐसे में ब्रिटेन को पराजित करने हेतु नेपोलियन द्वारा महाद्वीपीय नाकेबंदी की रणनीति अपनाई गयी।

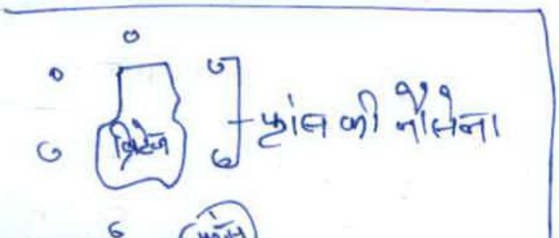

नेपोलियन की आर्थिक नाकेबंदी।

→ इंग्लैंड के द्वीप समूहों को नौसेना से घेरना

→ इंग्लैंड का व्यापार रोकना, जिससे वह आर्थिक संकट में आ जाये।

(3) फ्रांस को आर्थिक शक्ति तथा ब्रिटेन के विकल्प के रूप में स्थापित करना।

कागजों पर यह रणनीति अत्यंत उचित थी, परंतु निम्न कमियों के कारण यह फ्रांस के लिए आपदा बन गयी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

① विकल्प हेतु आंतरिक औद्योगीकरण पर ध्यान नहीं रखे

अन्य यूरोपीय देशों को ब्रिटेन की आवश्यकता बनी रही। अतः बाह्य समर्थन नहीं	फ्रांस की जनता भी ब्रिटेन के सस्ते सामानों की आदती थी। अतः आंतरिक समर्थन भी नहीं।

② मित्र देशों से दुश्मनी : जैसे स्पेन, रूस आदि को ब्रिटेन से व्यापार करने से रोकने हेतु सैन्य दबाव का सहारा लिया जिससे ये मित्र देश भी असहयोगी हो गये।

③ ब्रिटेन की अत्याधिक शक्तिशाली नौसेना के सामने फ्रांस की नौसेनिक शक्ति न्यून थी।

④ ब्रिटेन के पास औपनिवेशिक सर्वोच्चता (भारत जैसे उपनिवेश थे) जिससे कच्चे माल एवं तैयार माल हेतु बाजारों की कमी नहीं हुयी।

इस प्रकार नेपोलियन की अहंकारी आर्थिक नाकेबंदी से स्वंय फ्रांस ही सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ तथा अंततः मित्र सेनाओं के साथ 'वाटर-लू' के युद्ध में नेपोलियन की हार हुयी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

15. आर्कटिक पैराडॉक्स से आप क्या समझते हैं? आर्कटिक क्षेत्र में खनिज और ऊर्जा संसाधनों के स्थानिक वितरण पर प्रकाश डालिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
What do you understand by the Arctic Paradox? Highlight the spatial distribution of mineral and energy resources in the Arctic region. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आर्कटिक क्षेत्र उत्तरी ध्रुव में विशाल हिम खंडों से युक्त शीत प्रदेश है। जो आर्कटिक परिषद (रूस, अमेरिका, स्कैण्डेनेविया आदि) राष्ट्रों से सीमा साझा करता है।

आर्कटिक पैराडॉक्स - आर्कटिक में उपस्थित अत्यधिक खनिज एवं ऊर्जा संसाधनों के निष्कर्षण से उत्पन्न चुनौतियों को संबोधित करता है।

आर्कटिक क्षेत्र → [आर्कटिक पैराडॉक्स] अत्यधिक विदोहन तथा निष्कर्षण से उत्पन्न
खनिज, ऊर्जा संसाधनों में समृद्ध

① प्रदूषण
② स्थानीय समुदायों (याकूत आदि) का विस्थापन

अत्यंत खतरनाक जीवाणु तथा विषाणु दबे हुए।
जलवायु परिवर्तन (मीथेन का उत्सर्जन)

खनिज एवं ऊर्जा संसाधनों का स्थानिक वितरण

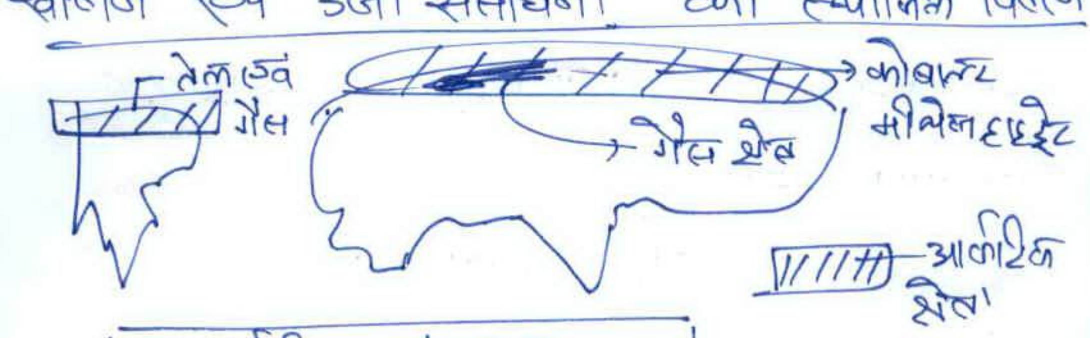

आर्कटिक संसाधन

① रूस के साइबेरिया तथा सुदूर पूर्व में तेल एवं गैस के 13% भंडार ही खोजे गये (उदा - चीन द्वारा ऊर्जा पाइपलाइन, एवं पोलर सिल्क रूट)

② गहन समुद्र में मीथेन हाइड्रेट के विशाल भंडार।

③ संपूर्ण आर्कटिक में कोबाल्ट, जिंक जैसी रणनीतिक धातुएँ वितरित

इसके अलावा यह क्षेत्र व्हेल, पेंगुइन एवं अन्य मत्स्य तथा जैव प्रजातियों का आवास है। तथा खनिज संसाधनों के दोहन से पूर्व

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस क्षेत्र का समग्र विश्व के जलवायु पर प्रभाव का आंकलन अनिवार्य है।

इसी संदर्भ में आर्कटिक में अपनी भूमिका निभाने हेतु भारत द्वारा भी आर्कटिक नीति लायी गयी है।

16. क्रायोस्फीयर (हिमांक-मंडल) में होने वाले परिवर्तनों में पारितंत्र और उसके लोगों पर विनाशकारी प्रभाव डालने की प्रवृत्ति होती है। चर्चा कीजिए। साथ ही, इस जोखिम से निपटने के उपायों को सूचीबद्ध कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Cryosphere changes have a tendency to bring about a devastating impact on the ecosystem and its people. Discuss. Also, enlist measures to tackle this threat. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

क्रायोस्फीयर स्थल मंडल का वह भाग है, जहाँ तापमान 32°F से कम होता है। इसमें दोनों ध्रुव तथा हिमालय एवं अत्यंत गहरा समुद्र शामिल है।

परिवर्तनों का पारितंत्र पर विनाशकारी प्रभाव क्यों?

(1) अल्बेडो – ये स्थल सर्वाधिक ऊर्जा परावर्तित करते हैं। तथा परिवर्तनों के कारण यह क्षमता घट सकती है। जिससे
- (1) जलवायु परिवर्तन में तीव्रता
- (2) शैवाल प्रस्फुटन
- (3) विषाणुओं एवं रोगाणुओं का बाहर आना

(2) जलवायु परिवर्तन में सकारात्मक भागीदारी

कार्बन उत्सर्जन → वैश्विक तापन → हिम पिघलन → दबा हुआ कार्बन उत्सर्जित → कार्बन उत्सर्जन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ हिम पिघलाव - आर्कटिक एम्प्लीफिकेशन को जन्म दे सकता है। IPCC के अनुसार यह वैश्विक जलवायु एवं परिसंचरण तंत्र पर गंभीर प्रभाव डालता है। उदा - अटलांटिक मेरीडायोनल ओशियन सर्कुलेशन का धीमा पड़ना जिससे गल्फ स्ट्रीम की तीव्रता में कमी

④ अल-नीनो - ला नीना एवं अल-नीनो मॉडोकी पर प्रभाव: इससे वैश्विक स्तर पर चक्रवात, बाढ़ तथा सूखे की आवृत्ति में वृद्धि।

⑤ हिम पिघलन → समुद्री जल स्तर में वृद्धि जिससे तटीय पर्यावासों में क्षति तथा विनाश (उदा - इंडोनेशिया का राजधानी परिवर्तन)

⑥ हिन्दूकुश हिमालय क्षेत्र की 2 बिलियन से अधिक जनसंख्या की

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आजीविका एवं उत्तरजीविता पर प्रभाव
- → गर्मी से ग्लोशियल लेक आउटबर्स्ट (उदा - हालिया ऋषिगंगा बाढ़)
- ऊर्जा संसाधन क्षरित तथा अपरदन

जोखिम से निपटने के उपाय :

① ध्रुवीय क्षेत्रों को ग्लोबल कॉमन्स का भाग बनाकर संरक्षित किया जाये।

② रवि चोपड़ा समिति के अनुसार - 2200 मीटर के ऊपर हाइड्रो प्रोजेक्ट को अनुमति न की जाये।

③ निम्न कार्बन विकास — वनीकरण
- → कार्बन कैप्चर एवं स्टोरेज
- → नवीकरणीय ऊर्जा
- → नेट शून्य उत्सर्जन की प्राप्ति सुनिश्चित

इसके अलावा अनुकूलन एवं शमन आधारित तकनीकों पर ध्यान एवं सहयोग की आवश्यकता है।

17. शहरी बाढ़ की बारंबार होने वाली घटनाएं भारत में शहरी पारितंत्र के लिए एक गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं। महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं पर पड़ने वाले इसके प्रभाव पर विशेष बल देते हुए चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The frequent instances of urban flooding pose a severe risk to the urban ecosystem in India. Discuss with special emphasis on its impact on the critical infrastructure. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही में चेन्नई, दिल्ली, मुंबई आदि निरंतर शहरी बाढ़ से प्रभावित रहे हैं। इनकी बारबार पुनरावृत्ति के

: कारण

(1) शहरी हीट आइलैंड (निम्नदाब तंत्र का निर्माण)

(2) तटीय क्षेत्रों में चक्रवात

(3) आर्द्रभूमियों का अतिक्रमण

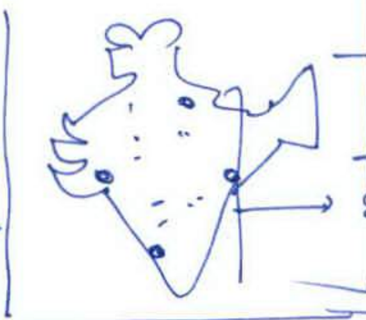

शहरी बाढ़ की बढ़ती आवृत्ति

(4) अर्थात् सीवेज नाली तथा कंक्रीट के जंगलों का निर्माण

(5) तटीय विनियमन का पालन न करना (आव-यमुना में सिल्ट एवं समीप रहो का निर्माण)

यह शहरी पारितंत्र हेतु गंभीर खतरा:

(1) महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं — रेल, पुल, सड़क इत्यादि की क्षति।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② औद्योगीकरण पर खतरा - ऊर्जा आपूर्ति में, कनेक्टिविटी में बाधा।

③ जल निकायों (आर्द्रभूमियाँ, तालाब, नदी आदि) का बाढ़ से प्रदूषण ग्रस्त होना

④ ~~बाढ़~~ बाढ़ प्रेरित बीमारियों — खास तौर पर स्लमों (17.4% कुल शहरी आबादी का) के निवासियों पर गंभीर प्रभाव।

⑤ शहरी पारितंत्र के सभी अवयवों यथा समुदाय, भवन, सरकार, अवसंरचना आदि निष्क्रिय हो जाते हैं।

उपाय ① सीवेज एवं जल व्यवस्था
सुदृढ़ → चीन की तर्ज पर स्पंज सिटी का विकास।

② प्राकृतिक आर्द्रभूमियों की सफाई (उदा - ~~[illegible]~~ नदियों एवं तालाबों की सफाई)

③ अवसंरचना निर्माण एवं उपयोग हेतु प्रभावी विनियमों (भवन संहिता, ऊर्जा संहिता) का प्रयोग।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) पूर्व चेतावनी प्रणालियों का प्रयोग (Out-flow चेनलाईं आदि)

(5) शहरी प्रशासन का सशक्तिकरण तथा स्लम पुर्नवास (स्मार्ट सिटी एवं PM आवास योजना)

इसके अलावा शहरों की बाढ़ प्रतिरोधिता ऑडिटिंग तथा ग्रीन बांड इत्यादि के माध्यम से गुणवत्ता पूर्ण अवसंरचना में निवेश किया जाना चाहिए।

18. रेत न केवल आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण पारितंत्र सेवाएं भी प्रदान करती है। सविस्तार वर्णन कीजिए। इस संदर्भ में, भारत में संधारणीय रेत खनन के महत्व पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Sand is not only critical for economic development but also provides crucial ecosystem services. Elaborate. In this context, discuss the importance of sustainable sand mining in India. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रेत प्राकृतिक संसाधन है, जो नदी द्वारा निर्मित अवसादों तथा समुद्र तटों से प्राप्त होता है।

आर्थिक विकास हेतु महत्वपूर्ण:

(1) कच्चे माल के रूप में
→ बिल्डिंग, सड़क आदि निर्माण कार्य
→ खनन क्षेत्रों (कोयला आदि) के पुर्नभराव में

(2) खनिज के रूप में → मोनाजाइट रेत में विशाल यूरेनियम एवं थोरियम भंडार।

(3) कई बार नदिया क्षेत्रों से सोना एवं दुर्लभ मृदा धातुएँ यथा लिथियम आदि प्राप्त

महत्वपूर्ण पारितंत्र सेवायें (1) जल छानना।
→ भौम जल प्रदूषण में कमी
→ (2) समुद्री जल अंर्तवेशन पर रोक (लवणीकरण नहीं)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ प्रजातियों का आवास स्थल →
उड़ीसा के गहीरमाथा तट पर ऑलिव रिडले कछुओं का नेस्टिंग स्थल।

④ नदी जल का नियंत्रण

⑤ उत्पादन - खीरे, तरबूज आदि फसलों का उत्पादन।

भारत में संघारणीय रेत खनन का महत्व।

① आर्थिक लाभ एवं पारितंत्र सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु।

② खनन से —
  ① राजस्व सृजन
  ② सिल्टेशन की मुक्ति का लक्ष्य (उदा- कोसी नदी का दिशा परिवर्तन)
  रोजगार सृजन
के लक्ष्यों की प्राप्ति।

③ स्थानीय समुदायों - मछुआरों, कृषकों आदि का विकास।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) अवैध खनन की रोकथाम – जल प्रदूषण, नदी धाराएँ परिवर्तन आदि रोकना संभव, खनिज अधिनियम के तहत गौण खनिज → अतः राज्यों में समन्वय।

उपाय : ड्रोन द्वारा संधारणीय खनन स्थलों की पहचान।
(2) खुली निविदा द्वारा ठेके प्रदान करना।
(3) कानूनों का सख्त क्रियान्वयन तथा अवैध खनन की रोकथाम

इसके अलावा संधारणीय मांग सुनिश्चित करने हेतु मैनुफैक्चर्ड रेत तथा रेत का आयात आदि उपायों को भी अपनाया जाना चाहिए।

19. भारत में शहरी क्षेत्रों के अनियंत्रित और असंतुलित विकास की चुनौती शहरी नियोजन और क्षमता में सुधारों को आवश्यक बनाती है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
The challenge of unbridled and unbalanced growth of urban spaces in India necessitates reforms in urban planning and capacity. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भारत में शहरीकरण छद्म (Hidden) एवं गुंथा हुआ (Messi) है। 2011 की जनगणना में 31.15% आबादी शहरीकृत जिसका 2050 तक 55% पहुँचने की संभावना। (UNPFA)

अनियंत्रित एवं असंतुलित विकास से उत्पन्न चुनौतियाँ :| ~~नियोजन एवं क्ष~~

① स्लमीकरण – 17.4% शहरी आबादी स्लमों में जहाँ जल, वायु, प्रकाश जैसी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध नहीं

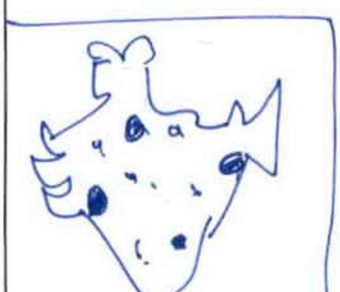

स्लम हॉटस्पॉट

② ईज ऑफ लिविंग में बाधा: तथा स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के साधन उपलब्ध नहीं।

③ सामाजिक चुनौतियाँ - अपराध (NCRB के अनुसार शहरी अपराध में 7% की वृद्धि)

तथा ड्रग्स एवं वेश्यावृत्ति की समस्या।

(4) यातायात पर दबाव - जाम, भीड़ आदि की समस्या।

(5) पारिस्थितिक बाधायें - जल निकायों पर कब्जा एवं प्रदूषण
- शहरी बाढ़
- शहरी ऊष्मा द्वीप का निर्माण

नियोजन एवं क्षमता में सुधार क्यों आवश्यक

(1) शहरी भूमि का नियोजन नहीं इससे योजनायें यथा - pm आवास योजना (शहरी लागू नहीं)

(2) विभिन्न निकाय : उदा - गोरखपुर में औद्योगिक विकास हेतु (गीडा), नगरनिगम एवं गोरखपुर विकास प्राधिकरण इससे कार्यों में बहुव्याप्ति तथा बाधायें।

(3) नियोजकों की कमी तथा स्थानीय निकाय प्रशिक्षित नहीं।

(4) संपत्ति कर क्षमता से निम्न ग्रहण नीति आयोग के अनुसार क्षमता का (1-2%) ही कर संग्रहण।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपाय : — परिवहन आधारित विकास
— सैटेलाइट शहरों का निर्माण

(1) फंड, फंक्शन एवं फंक्शनरीज की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाये।

(2) वित्तीय संधारणीयता हेतु ग्रीन बांड, नगरपालिका बांड का प्रयोग।

(3) योजनाओं (स्मार्ट सिटी, अमृत का क्रियान्वयन) तथा स्लम पुर्नविकास किया जाये।

(4) नगर पार्षदों का प्रशिक्षण तथा कर संग्रहण में वृद्धि हेतु सर्वे एवं मैपिंग का प्रयोग।

इसके अलावा शहरी प्रतिस्पर्धा एवं ईज ऑफ लीविंग सुनिश्चित करने हेतु शहरी विकास इंडेक्स तथा नीति आयोग की 2030 शहरी रणनीति को लागू किया जाये।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

20. भारत में नारीवादी आंदोलनों में ऐतिहासिक रूप से समावेशिता का अभाव रहा है, जो प्रायः एक सीमित पाश्चात्य उच्च-वर्ग के मानस के भीतर विकसित होती रही है। समालोचनात्मक विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Feminist movements in India have historically lacked inclusivity, often growing within a limited Western upper-class psyche. Critically discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत में नारीवादी आंदोलन का आरंभ स्वतंत्रता आंदोलन के साथ ही प्रारंभ हुआ।

ऐतिहासिक रूप से समावेशीता का अभाव : तथा सीमित वर्ग के मध्य विकसित।

(1) प्रारंभिक संघो यथा - अखिल भारतीय महिला कांग्रेस, स्त्री महामंडल आदि उच्च एवं मध्यम वर्ग केन्द्रित दृष्टिकोण आधारित
- → महिलाओं हेतु मताधिकार
- → आर्थिक स्वतंत्रता
- महिला शिक्षा आदि।

(2) आजादी पश्चात भी इन आंदोलनों मे दलित महिलाओं, घरेलू महिला कामिकों आदि वंचित वर्गों का प्रतिनिधित्व अति न्यून है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ नवीन आंदोलनों का मानना है कि संवेदना - स्वयवेदना से बराबरी नहीं कर सकती अतः वे महिला संगठनों में पुरुषों के समावेशन का विरोध करती है।

④ मी टू आंदोलन आदि प्रायः शहरी उच्च वर्ग पर केन्द्रित है। जो कार्यों में भेदभाव का सामना कर रही हैं

हालांकि पूर्ण रूप से ऐसा कहना उचित नहीं है

① दहेज हत्या, घरेलू हिंसा आदि के प्रति महिला आंदोलनों में समाज का सभी वर्ग भागीदार रहा है

② धार्मिक तीन तलाक, सबरीमाला मुद्दा आदि वंचितता के विरुद्ध अपने अधिकारों के प्रयोग हेतु है

③ गुजरात में तंबाकू की खेती के विरुद्ध। तथा उत्तराखंड में वृक्ष

बचाओ आंदोलनों की नेतृत्व कर्ता निम्न वर्ग की महिलाएँ रही हैं।

(4) आर्थिक आंदोलन - यथा कुटुम्बश्री, सेवा आदि मुख्यत: वंचित वर्गों के सशक्तिकरण पर केन्द्रित है।

हालांकि महिला आंदोलनों में पुरुष भागीदारी (उदा० - मैन अगेंस्ट रेप एंड डिस्क्रिमिनेशन (MARD)) एवं घरेलू श्रमिकों एवं महिलाओं की अन्य समस्याओं (माहवारी, टाईम पावर्टी) आदि हेतु संवेदनशील आंदोलनों की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK